पंचायती राज द्वारा ग्रामीण विकास में महिलाओं की भूमिका

आभा

पंचायती राज व्यवस्था महिलाओं के लिए वरदान के रूप में उभरी है इसमें कोई– संदेह नहीं कि भारत में पंचायती राज आने से महिलाओं की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। पंचायती राज का प्रयत्न सही दिशा में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति में परिवर्तन लाने तथा नया जीवन प्रदान करने में सफल हुई है। इस आरक्षण व्यवस्था के कारण ही महिलाएँ अपने घर की दहलीज लाँघ कर राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपनी क्षमता का परिचय दे रही है।

सरकार ने पंचायतों में आरक्षण के आधार पर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर दी है तथा महिला सरपंच पंच एवं अन्य प्रतिनिधियों को पुरुष प्रधान राजनीतिक व्यवस्था में अपनी भूमिका निभाने के लिए खड़ा कर दिया है मगर इस भूमिका की सफलता पूर्वक अदायगी के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान नहीं किया गया है ऐसा नहीं है कि सभी महिलाएं अनपढ़ तथा प्रशासनिक दृष्टि से गैर जानकार हो मगर उन्हें भी उनके परिवार–जन डमी बनाकर उनके अधिकार का दुरुपयोग करते हैं।